अध्याय 10 भविष्य

हर कोई भविष्य में दिलचस्पी रखता है। किताबें चाहे अच्छी हों या बुरी, इस विषय में लिखी गई हैं कि भविष्य में क्या होने जा रहा है जैसा कि लोग सोचते हैं। वैज्ञानिकों एवं नेताओं से उनके विचार पूछे जाते हैं कि उनके देश का भविष्य क्या है।

लोग हमेशा अपना भविष्य जानने के उत्सुक रहते हैं एवं चाय की पत्तियों, जन्म कुण्डलियों, स्फाटक की गोलियों एवं और दूसरे प्रकार के "भविष्य को बताने वाले" साधनों के द्वारा अपना विचार-विमर्श करते हैं। एक बार एक महिला दौड़ती हुई मेरे पास आकर पूछने लगी कि क्या मैं उसके हाथ की रेखाओं को पढ़ कर भविष्य बता सकता हूं। उसे यह आश्चर्य हुआ जब मैंने उसे यह बताया कि मेरे पास एक छोटी सी किताब है जिसने मेरा भविष्य बता दिया — और मैंने उस से कहा कि इसमें उसका भविष्य भी है। तब मैंने उसे सुसमाचार की एक प्रति दे दी।

बाइबल भविष्य में घटने वाली सही-सही घटनाओं को जानने का एक साधन है। अपने वचन के द्वारा परमेश्वर वे सभी बातें बताता है जिन्हें हमें जानने की आवश्यकता है। चाय की पत्तियों एवं तरोत कार्ड को पढ़ने की आवश्यकता नहीं। वास्तव में ये एक प्रकार के "जादू" हैं जिन्हें पढ़ने को परमेश्वर ने मना किया है।

यदि आपको अपने भविष्य एवं यीशु के आगमन के समय क्या कुछ होने वाला है इसके प्रति आश्चर्य हो, तो आपको इस पाठ को पढ़ने में

दिलचस्पी होगी। हम भविष्य के न्याय एवं प्रभु के आगमन के समय के विषय में अध्ययन करेंगे यहां तक स्वर्गदूत भी जिनका अध्ययन हमने पिछले अध्याय में किया है, वे भी प्रभु के पृथ्वी पर आगमन का समय मालूम करने में दिलचस्पी रखते हैं। आइए हम बाइबल में देखें कि यह हमारे भविष्य के विषय में क्या कहती है।

इस पाठ में आप अध्ययन करेंगे....

विश्वासियों का रैपचर बादलों में उठाया जाना

यीशु का पृथ्वी पर का राज्य

अविश्वासियों का न्याय

इस पाठ से आपको सहायता मिलेगी कि आप...

- व्याख्या कर सकें कि बादलों पर उठा लिया जाना (रैपचर) कब एवं किसके लिए होगा।
- एक हजार वर्ष का राज्य एवं महान श्वेत सिंहासन न्याय का वर्णन कर सकें।
- मसीह के साथ अनन्तकाल तक की संगति रखने की आशा से उसकी प्रतीक्षा कर सकें।

विश्वासियों का बादलों में उठाया जाना [रैपचर]

उद्देश्य १. रैपचर अर्थात् विश्वासियों का बादलों में उठाये जाने के समय होने वाली घटनाओं को जानना एवं उसका वर्णन करना।

पाठ पांच में हमने रैपचर शब्द के अर्थ का अध्ययन किया। यह प्रभु के दुबारा आगमन एवं बादलों में अपनी कलीसिया के साथ मुलाकात के विषय में बताता है। कोई नहीं बता सकता कि रैपचर कब होगा क्योंकि यह केवल परमेश्वर पिता को ही मालूम है।

"उस दिन और उस घड़ी के विषय में कोई नहीं जानता; न स्वर्ग के दूत, न पुत्र परन्तु केवल पिता" (मत्ती २४:३६)।

किन्तु कुछ चिन्ह हैं जो बताते हैं कि रैपचर का समय निकट है। यीशु ने कहा कि उसके आगमन के कुछ ही समय पूर्व सांसारिक क्रिया-कलाप, दुष्टता एवं अत्याचार बढ़ जाएगा। झूठे मसीह एवं झूठे भविष्यद्वक्ता उठ खड़े होंगे। भूकम्प, अकाल एवं महामारी फैल जाएगी। लड़ाइयां एवं लड़ाइयों की चर्चाएं होंगी। ये सारे चिन्ह जो मत्ती २४ और लूका २१ में दिए गए हैं, आजकल पूरे हो रहे हैं।

तथापि हर चीज नकारात्मक नहीं होगी। भयानक समय के बावजूद बहुत से लोग प्रभु की खोज करके उसे पा लेंगे। योएल २:२८-२९ इसके विषय में हमें बताता है : उन बातों के बाद मैं सब प्राणियों पर अपना आत्मा उंडेलूगा; तुम्हारे बेटे बेटियां भविष्यद्वाणी करेंगी और तुम्हारे पुरनिए स्वप्न देखेंगे और तुम्हारे जवान दर्शन देखेंगे। तुम्हारे दास और दासियों पर भी मैं उन दिनों में अपना आत्मा उंडेलूंगा।

मसीही लोग रैपचर की प्रतीक्षा बड़े आनन्द के साथ करते हैं। वे जो मर चुके हैं उनका पुनरुत्थान होगा एवं जो जीवित हैं वे बदल जाएंगे। सभी एक साथ उठा लिए जाएंगे ताकि बादलों में प्रभु से मिलें।

इस भेद की सच्चाई पर ध्यान दें : कि हम सब तो नहीं सोएंगे परन्तु सब बदल जाएंगे। और यह क्षण भर में पलक मारते ही पिछली तुरही फूंकते ही होगा। क्योंकि तुरही फूँकी जाएगी और मुर्दे अविनाशी दशा में उठाए जाएंगे और हम बदल जाएंगे। क्योंकि अवश्य है कि यह नाशमान देह अविनाश को पहिन ले और यह मरनहार देह अमरता को पहिन ले।
(१ कुरिन्थियों १५:५१-५३)

रैपचर के बाद मसीहियों का न्याय होगा एवं मसीह के प्रति उनके विश्वास योग्यता के अनुसार उन्हें प्रतिफल मिलेगा। तब वह मेम्ने के विवाह के भोज में शामिल होंगे जब कि मसीह परमेश्वर का मेम्ना कलीसिया का अपनी दुल्हन की तरह स्वागत करेगा।

क्योंकि अवश्य है कि हम सब का हाल मसीह के न्याय आसन के सामने खुल जाए कि हर एक व्यक्ति अपने भले बुरे कामों का बदला जो उसने देह के द्वारा किए हों पाए (२ कुरिन्थियों ५:१०)।

हमें मालूम है कि हमारे पाप यीशु के लोहू के द्वारा ढांप दिए गये और हमें इसका लेखा देने की जरूरत नहीं है। किन्तु हमें अपने विश्वासयोग्यता के आधार पर प्रतिफल मिलेगा। जब कोई परीक्षा हमारे सामने हो तो हमें यह स्मरण करना चाहिए कि प्रभु हर चीज देखता है।

आओ हम आनन्दित और मगन हो और उसकी स्तुति करें क्योंकि मेम्ने का विवाह आ पहुंचा और उसकी पत्नी ने अपने आपको तैयार कर लिया है। और उसको शुद्ध एवं चमकदार महीन मलमल पहनने का अधिकार दिया गया (क्योंकि उस महीन मलमल का अर्थ पवित्र लोगों के धर्म के कार्य हैं)। तब स्वर्गदूत ने मुझसे कहा। ''यह लिख : धन्य हैं वे जो मेम्ने के विवाह भोज में बुलाए गए हैं'' और तब स्वर्गदूत ने आगे कहा, ''ये वचन परमेश्वर के सत्य वचन है'' (प्रकाशित वाक्य १९:७-९)।

जो आपको करना है

१. १ थिस्सलुनीकियों ४:१६-१७ के अनुसार निम्नलिखित कौन-कौन से कथन सत्य हैं?

अ. जब तुरही फूँकी जाएगी तो सभी मृतक जी उठेंगे।

ब. इस समय प्रभु पापियों का न्याय करने के लिए पृथ्वी पर आयेगा।

स. जो विश्वास करते हुए मर चुके हैं वे जी उठेंगे।

ड. सारे विश्वासी, मृतक एवं जीवित उठा लिए जाएंगे ताकि प्रभु के साथ सर्वदा रहें।

२. आप ऐसे कौन से चिन्ह संसार में देखते हैं जो आपको प्रभु के जल्द आगमन पर विश्वास करने को उत्साहित करते हैं?

....

....

यीशु का पृथ्वी पर का राज्य

उद्देश्य २. उन घटनाओं को समझना जो इस मसीही शब्द "मिलेनियम" की परिभाषा बताती है।

प्रभु अपने लोगों के साथ वापस आएगा ताकि इस पृथ्वी पर एक हजार वर्ष तक राज्य करे। यह एक हजार वर्ष का समय मिलेनियम कहलाता है। (यह लेटिन शब्द मिल्ले से लिया गया है जिसका अर्थ एक हजार है।)

बाइबल इस समय को पृथ्वी पर बड़े आनन्द एवं शांति का समय बताती है। यहूदा १४ बताता है "प्रभु अपने लाखों पवित्र सन्तों के साथ आएगा।"

धन्य और पवित्र वे हैं जो इस पहले पुनरुत्थान के भागी हैं ऐसों पर दूसरी मृत्यु का कुछ भी अधिकार नहीं पर वे परमेश्वर और मसीह के याजक होंगे और उनके साथ हजार वर्ष तक राज्य करेंगे। (प्रकाशित वाक्य २०:६)।

तब भेड़िया भेड़ के बच्चे के संग रहा करेगा और चीता बकरी के बच्चे के साथ बैठा करेगा और बछड़ा और जवान सिंह पाला पोसा हुआ बैल तीनों इकट्ठे रहेंगे और एक छोटा लड़का उनकी अगुआई करेगा (यशायाह ११:६)।

• • •

जो आपको करना है

३. भली भांति करने वाले प्रत्येक कथन के सामने के अक्षर में वृत्त खींच दें बाइबल में मिलेनियम :

अ. प्रभु के पृथ्वी पर एक हजार वर्ष तक के राज्य को बताती है।

ब. शांति और आनन्द के समय को बताती है।

स. सारे विश्वासियों का मसीह के साथ इस पृथ्वी पर राज्य करने के विषय में बताती है।

अविश्वासियों का न्याय

उद्देश्य ३. महान श्वेत-सिंहासन न्याय को परिभाषित करना।

यीशु के एक हजार वर्ष तक राज्य कर लेने के बाद दुष्ट मृतक जी उठेंगे ताकि परमेश्वर के सामने उनका न्याय हो। शैतान और उसके दूत और सभी दुष्ट लोग नरक में ढकेल दिए जाएंगे। इस न्याय को महान श्वेत-सिंहासन न्याय कहा जाता है। प्रकाशित वाक्य २० बताता है कि इसका यह नाम क्यों दिया गया है।

फिर मैंने एक बड़ा श्वेत सिंहासन और उसको जो उस पर बैठा हुआ है, देखा, जिसके सामने से पृथ्वी और आकाश भाग गए और उनके लिए जगह न मिली। फिर मैंने छोटे बड़े सब मरे हुओं को सिंहासन के सामने खड़े हुए देखा और पुस्तकें खोली गईं और फिर एक और पुस्तक खोली गई अर्थात् जीवन की पुस्तक और जैसे उन पुस्तकों में लिखा हुआ था उनके कामों के अनुसार मरे हुओं का न्याय किया गया और समुद्र ने उन मरे हुओं को जो उसमें थे दे दिया और मृत्यु और अधोलोक ने उन मरे हुओ को जो उनमें थे दे दिया और उन में से हर एक के कामों के अनुसार उनका न्याय किया गया। और मृत्यु और अधोलोक भी आग की झील में डाले गए। यह आग की झील तो दूसरी मृत्यु है और जिस किसी का नाम जीवन की पुस्तक में लिखा हुआ न मिला वह आग की झील में डाला गया
(प्रकाशित वाक्य २०:११-१५)।

वे जिनका नाम जीवन की पुस्तक में लिखा हुआ है वे मसीह में विश्वासी हैं। उन्हें कुछ भी घबराने की आवश्यकता नहीं क्योंकि वह मसीह के साथ सर्वदा रहेंगे। प्रकाशित वाक्य २१:२-३ हमें बताता है कि यूहन्ना ने दर्शन में क्या देखा।

और मैंने पवित्र नगर नए यरूशलेम को स्वर्ग पर से परमेश्वर के पास से उतरते देखा। और वह उस दुल्हिन के समान थी जो अपने पति के लिये सिंगार किए हो। फिर मैंने सिंहासन में से किसी की ऊंचे शब्द से यह कहते हुए सुना कि देख परमेश्वर का डेरा मनुष्यों के बीच में है। वह उनके साथ डेरा करेगा और वे उसके लोग होंगे और परमेश्वर आप उनके साथ रहेगा और उनका परमेश्वर होगा।

महान श्वेत-सिंहासन न्याय के बाद परमेश्वर के बच्चे उसके साथ होंगे। वह उनके लिए नए आकाश एवं नई पृथ्वी में रहने की व्यवस्था करेगा।

और वह उनकी आंखों से सब आंसू पोंछ डालेगा और इसके बाद मृत्यु न रहेगी। और न शोक, न विलाप, न पीड़ा रहेगी। पहली बातें जाती रहीं (प्रकाशित वाक्य २१:४)।

जो आपको करना है

४. प्रकाशित वाक्य २०:२२ को पढ़ें एवं खाली स्थानों को भरें।

वह जो इन बातों की .... देता है, कहता है, " .... मैं शीघ्र .... हूं आमीन। हे प्रभु यीशु ....।

५. निम्नलिखित वाक्यों को पूरा करें। परमेश्वर के साथ अनन्तकाल तक रहना।

अ. पृथ्वी पर हमारे द्वारा किए गये पापों को याद कर के पश्चात्ताप करने का समय होगा।

ब. आनन्दपूर्वक परमेश्वर के साथ सर्वदा रहने का समय होगा।

अपने उत्तरों की जांच करें

१. स) सही
   ड) सही

४. गवाही, सचमुच, आने वाला, आ

२. आपका उत्तर। पवित्र आत्मा का उंडेला जाना, बहुत से लोगों का प्रभु की ओर फिरना (आना), पृथ्वी की छोर तक सुसमाचार का प्रचार किया जाना, हो सकता है।

५. ब) आनन्द पूर्वक परमेश्वर के साथ सर्वदा रहना।

३. आपको प्रत्येक में वृत्त खींचना चाहिए था क्योंकि सभी सही हैं।

आपकी टिप्पणी के लिए